Self Respect

30-08-2014

- ✓यह जो विष्णु को चक्र दिया है, यह चक्र है तुम्हारा ।
- ✓बाप कहते हैं तुम लाइट हाउस भी हो, बोलता चलता लाइट हाउस हो ।
- ✓यह सारे चक्र की नॉलेज तुमको ही है । 84 का चक्र लगाया है ।
- ✓नई दुनिया को कहा जाता है अमरलोक । अमर अर्थात् तुम सदैव जीते रहते हो । तुम कभी मरते नहीं हो ।

- ✓बाप कहते हैं तुमको कैसे कमल फूल समान बनना है । परन्तु स्थाई तो तुम नहीं रहते हो इसलिए अलंकार विष्णु को दे दिये हैं । नहीं तो देवताओं को शंख आदि की दरकार है क्या । मुख से सुनाने को शंख ध्वनि कहा जाता है । कमल का राज भी बाप समझाते हैं । तुम ब्राह्मणों को इस समय कमल फूल समान बनना है । गदा है 5 विकारों रूपी माया को जीतने की ।
- ✓बाप की सहज नॉलेज और सहज बात है । कहते हैं कामकाज करते हुए मुझे याद करो । भल नौकरी आदि करो, भोजन बनाओ तो भी याद में रहकर, तो भोजन भी शुद्ध होगा इसलिए गाया जाता है ब्रह्मा भोजन के लिए देवताओं को भी दिल होती है ।
- ✓तुम्हारा है बेहद का संन्यास । तुम इस पुरानी दुनिया को ही भूल जाते हो । तुमको फिर जाना है नई दुनिया में ।

- ✓यह हमारा बहुत जन्मों के अन्त का जन्म है । 84 जन्म पूरे हुए । सूर्यवंशी से चन्द्रवंशी फिर वैश्य, शूद्र वंशी बने... ।
- ✓पहले- पहले हम स्वर्गवासी देवता थे फिर चन्द्रवंशी क्षत्रिय बने, 2500 वर्ष पूरा हुआ फिर वैश्य शूद्र वंशी विकारी बनें । अब हम ब्राह्मण चोटी बनते हैं ।
- ✓अभी तुम्हारा तो सच्चा तीर्थ है - शान्तिधाम और सुखधाम । तुम हो रूहानी पण्डे । सबको राय देते हो - बाप को याद करो तो शान्तिधाम चले जायेंगे ।
- ✓तुम हो स्वदर्शन चक्रधारी । देवतायें नहीं हैं । परन्तु इस समय तुम्हारी माया के साथ युद्ध चल रही है ।

- ✓आत्मा का तख्त यह भृकुटी है । इसको कहा जाता है अकाल तख्त । अकाल आत्मा इस तख्त पर विराजमान है । यह तो मिट्टी का पुतला है । सारा पार्ट आत्मा में ही भरा हुआ है ।
- ✓बाप कहते हैं मैं 5 हजार वर्ष के बाद आता हूँ, तुम बच्चों को वर्सा देने । तुम जानते हो हम आये है हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस का वर्सा लेने । सतयुग में अथाह धन मिलता है । तुम 21 पीढ़ी देवता बनते हो । बुढ़ापे बिगर कभी कोई मरेगा नहीं । यहाँ तो बैठे-बैठे अचानक मर पड़ते हैं । गर्भ में अन्दर भी मर पड़ते हैं ।
- ✓84 का चक्र भी बुद्धि में तुम्हारी याद रहेगा । बहुत खुशी रहेगी । तुम जानते हो हम नये विश्व के अर्थात् सतयुग के मालिक बनने वाले हैं ।
- ✓तुम्हारा सच्चा-सच्चा खुदा दोस्त वह है । अल्लाह अवलदीन का नाटक, हातिमताई का नाटक-सब इस समय के हैं ।

- ✓तुम डबल अहिंसक बनते हो । काम कटारी चलाना यह भी हिंसा है ।
- ✓बाबा तो समझते हैं अभी यह पुराना शरीर छोड़ेगे और गोल्डन स्पून इन माउथ । तुम भी समझते हो हम अमरलोक में जन्म लेंगे तो गोल्डन स्पून इन माउथ होगा ।
- ✓अच्छा |मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।
- ✓वरदान: श्रीमत की लगाम को टाइट कर मन को वश करने वाले बालक सो मालिक भव !